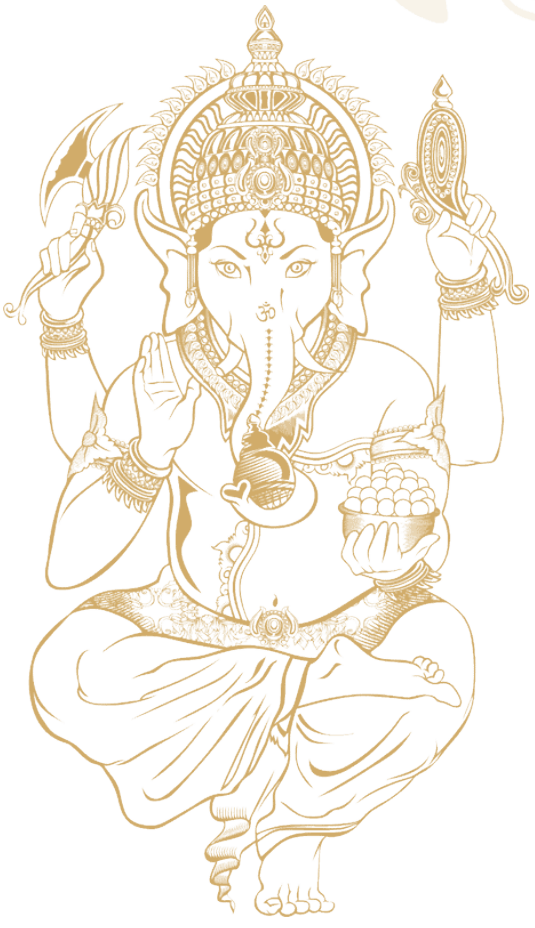

Rahul Sharma

Rashmi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121599201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121599201 Date: 15/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/05/1992	जन्म तिथि	9-10/10/1992
बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 15:45:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 25:39:36	जन्म समय(घटी)	51:35:18 घटी
India	देश	India
Modinagar	स्थान	Budaun
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:02:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	79:07:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:13:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:09	सूर्योदय	06:10:42
19:01:43	सूर्यास्त	17:50:31
23:45:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:38

कन्या	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कन्या	राशि	मीन
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
हस्त	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	4
वज्र	योग	वृद्धि
बालव	करण	गर
ण--	जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	सिंह
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	सर्प

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 7मा 10दि	17:32:42	कन्या	लग्न	सिंह	09:02:35	गुरु 1वर्ष 5मा 23दि
गुरु	29:08:40	मेष	सूर्य	कन्या	23:04:22	बुध
23/12/2020	18:31:04	कन्या	चंद्र	मीन	02:05:55	03/04/2013
23/12/2036	12:00:22	मीन	मंगल	मिथु	20:34:43	04/04/2030
गुरु 10/02/2023	10:02:59	मेष	बुध	तुला	09:56:55	बुध 31/08/2015
शनि 23/08/2025	11:07:12	सिंह	गुरु	कन्या	06:05:54	केतु 27/08/2016
बुध 29/11/2027	20:43:40	मेष	शुक्र	तुला	24:15:02	शुक्र 28/06/2019
केतु 04/11/2028	24:32:47	मक	शनि व	मक	18:05:30	सूर्य 04/05/2020
शुक्र 06/07/2031	07:32:26	धनु व	राहु व	धनु	00:15:31	चन्द्र 03/10/2021
सूर्य 23/04/2032	07:32:26	मिथु व	केतु व	मिथु	00:15:31	मंगल 30/09/2022
चन्द्र 23/08/2033	24:04:16	धनु व	हर्ष	धनु	20:24:20	राहु 19/04/2025
मंगल 30/07/2034	25:03:45	धनु व	नेप	धनु	22:27:41	गुरु 26/07/2027
राहु 23/12/2036	27:46:43	तुला व	प्लूटो	तुला	27:43:28	शनि 04/04/2030

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:17 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:38

लग्न-चलित

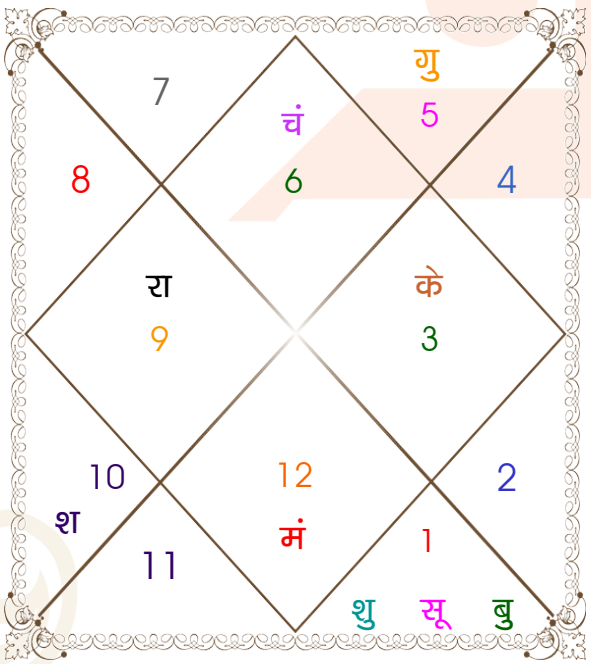

लग्न-चलित

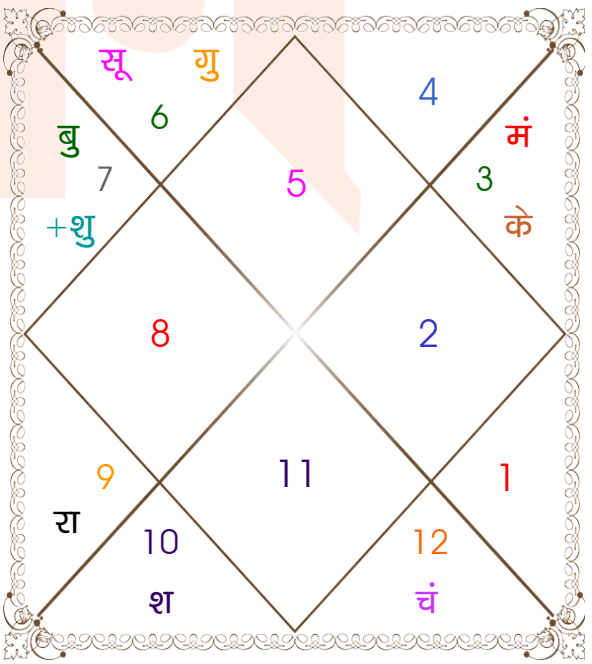

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

कुल : 17 / 36

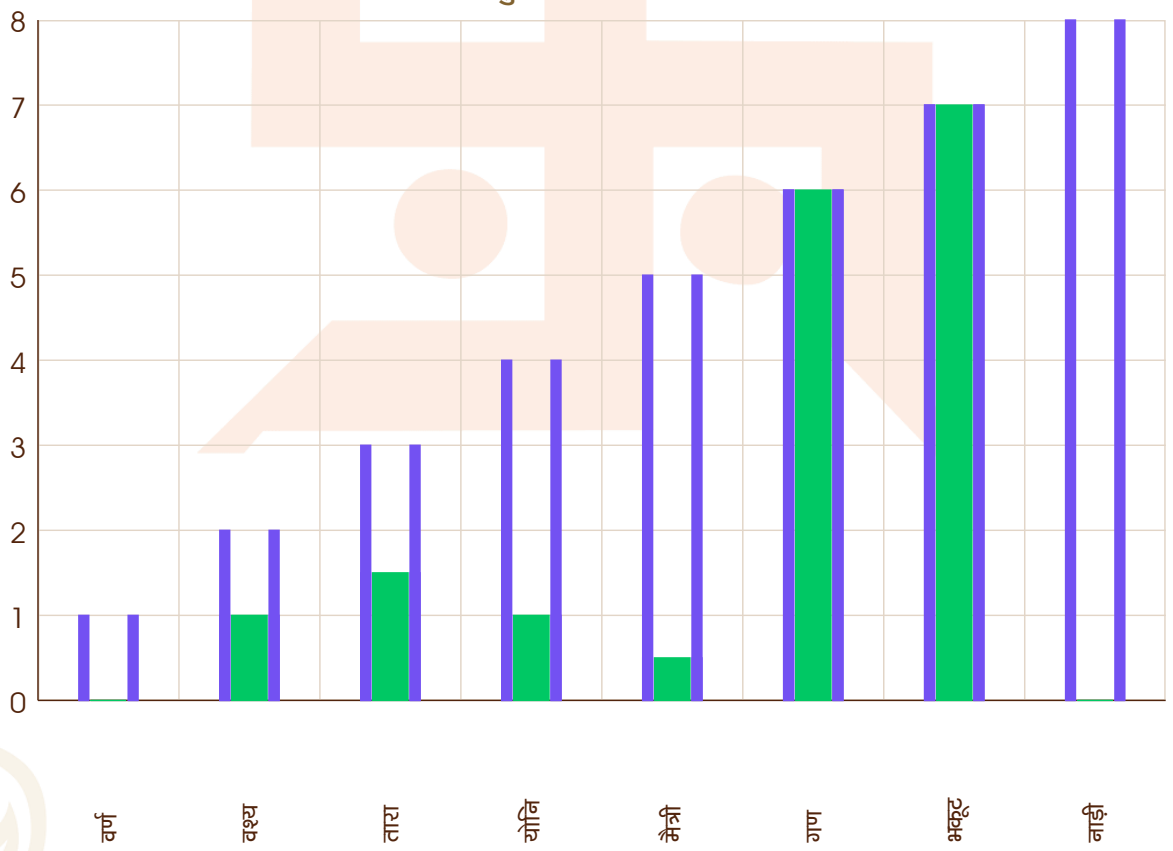

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

तैनसौंतउं का वर्ग श्वान है तथा तैउप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार तैनसौंतउं और तैउप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

तैनसौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तैउप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि तैउप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

तैनसौंतउं तथा तैउप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

तैनसौंतउं का वर्ण वैश्य है तथा तैउप का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि तैउप का वर्ण तैनसौंतउं के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। तैउप अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। तैउप को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

तैनसौंतउं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं तैउप का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें तैनसौंतउं एवं तैउप दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः तैनसौंतउं तैउप पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि तैनसौंतउं हमेश तैउप के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

तैनसौंतउं की तारा वध तथा तैउप की तारा क्षेम है। तैनसौंतउं की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। तैनसौंतउं बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। तैनसौंतउं को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु तैउप लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

तैनसौंतउं की योनि महिष है तथा तैउप की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में तैनसौंतउं का राशि स्वामी तैउप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि तैउप का राशि स्वामी तैनसौंतउं के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

तैनसौंतउं का गण देव तथा तैउप का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु तैउप अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

तैनसौंतउं एवं तैउप की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा तैनसौंतउं व तैउप को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

तैनसौंतउं की नाड़ी आद्य है तथा तैउप की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। तैनसौंतउं एवं तैउप दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं

अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

तैनसौंतउं की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा तैउप की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व की परस्पर मित्रता एवं समानता होने के कारण तैनसौंतउं और तैउप के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः मिलान सामान्यतया शुभ रहेगा।

तैनसौंतउं की राशि का स्वामी बुध तथा तैउप की राशि का स्वामी गुरू परस्पर शत्रु एवं सम भाव में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य यदा कदा मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों की ओर विशेष ध्यान देंगे तथा आलोचना आदि भी करेंगे फलतः परस्पर संबधों में कटुता तथा तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा परन्तु यदि तैनसौंतउं और तैउप बुद्धिमता से कार्य लें तथा परस्पर संयत व्यवहार करें तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

तैनसौंतउं और तैउप की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से तैनसौंतउं और तैउप के उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी आएगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए सुख दुःख में सहयोग प्रदान करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन की सुख शांति तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी ।

तैनसौंतउं का वश्य मानव तथा तैउप का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक असमानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर में भी असमानता होगी। अतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

तैनसौंतउं का वर्ण वैश्य तथा तैउप का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताओं में असमानता रहेगी। तैनसौंतउं की प्रवृति धनार्जन में प्रवृत रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। तैउप की शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में विशेष रूचि रहेगी तथा इन कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

तैनसौंतउं और तैउप दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

तैनसौंतउं और तैउप दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए है। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु तैउप के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए तैउप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से तैनसौंतउं और तैउप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति तैउप के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः तैउप को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

तैनसौंतउं और तैउप बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः तैनसौंतउं और तैउप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

तैउप के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद तैउप अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से तैउप पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि तैउप अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

तैनसौंतउं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में तैनसौंतउं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह तैनसौंतउं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही तैनसौंतउं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण तैनसौंतउं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।